MAHARASHTRA STATE COUNCIL OF EXAMINATION, PUNE

Government Commercial Certificate Examination

2 JULY, 2018

[Time : 11-30]

HINDI SHORTHAND

(60 Words Per Minute)

Marks : 100

(Time allowed for Transcription of (A) and (B) Passages : 1 Hr. and 15 Min.)

हिंदी लघुलेखन

[६० शब्द प्रति मिनट]

अंक : १००

[कालावधि – [अ] और [ब] परिच्छेद के लिए १ घंटा और १५ मिनट]

[अ] [अंक : ४५ + ५ नोटस् के लिए]

विश्व स्वास्थ्य संस्थान स्वास्थ्य को परिभाषित कर चुका है । एक व्यक्ति का स्वस्थ / होना शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से स्वस्थ होना है, न कि // केवल बीमारियों से बचना अधिकतर लोग शारीरिक स्वास्थ को अधिक महत्त्व देते हैं /// और मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देते हैं । यह स्थिति अधिक //१// दयनीय है । आम तौर से लोग शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में भी अनभिज्ञ / होते हैं । अक्सर यह महसूस नहीं हो पाता कि जो व्यक्ति की अच्छी // मासपेशिर्या, सुन्दर त्वचा, नेत्र आदि है फिर भी वह गम्भीर बीमारियों का शिकार /// हो सकता है । ऐसा व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ नहीं है ।

शारीरिक स्वास्थ्य //२// की तुलना एक बर्फ के टुकडे से की जा सकती है, जो पानी में डूबा / हुआ हो । उसका छोटा भाग ही पानी के ऊपर देखा जा सकता है और बहुत // बड़ा भाग पानी में डूबा हुआ होता है । इसी प्रकार रोग का छोटा सा हिस्सा /// ही डॉक्टरों द्वारा देखा जा सकता है । ये ऊपरी रोग लक्षण न हो तो //३// स्वस्थ समझ लेते हैं । लेकिन वही व्यक्ति सामाजिक एवं मानसिक रूप से भी / बीमार हो सकता है । उसके लिए व्यक्ति को अपनी जीवन-शैली सही बनाना चाहिए // ताकि स्वास्थ्य ठीक रहे । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शारीरिक रूप से स्वस्थ्य व्यक्ति के /// गुणों का वर्णन किया है और बताया है कि ऐसा व्यक्ति ही स्वस्थ होता है । //४//

[दो मिनट का मध्यांतर]

शिक्षा समाज का आधार स्तंभ है । शिक्षित समाज की कल्पना अनेकों इतिहासकारों, विचारकों / बुद्धिजीवियों तथा समाज सुधारकोंने भिन्न भिन्न तरह से की है । किसी ने // कहा है शिक्षा आधुनिक समाज की रीढ की हड्डी है । किसी ने फिर कहा है /// "शिक्षा के बिना समाज उस व्यक्ति की तरह है, जिसके हाथ-पैर नहीं हो, अर्थात //१// पंगु हो । जो जिन्दा तो है परन्तु कुछ भी करने में सक्षम नहीं है ।" किसी / ने ऐसा भी कहा है "शिक्षा ही ऐक ऐसा अमृत है जो असभ्यता की // मौत मर रहे लोगों को जीवन-दान प्रदान कर सकता है ।"

आज साधारणतः हम /// समाज को शिक्षत वर्ग और अशिक्षित वर्गो में विभाजित करते हैं । परन्तु प्रश्न //२// यह उठता है कि शिक्षित कौन है और अशिक्षित कौन है ? वह कौन-सी / शिक्षा है जिसके अभाव से समाज की अवनति होती है ? कौन-सी शिक्षा समाज का // आधार स्तंभ है ? क्या लिपियों का ज्ञान रखनेवाले, साधारण पुस्तकों का ज्ञान रखनेवाले /// ये डॉक्टर, प्रोफेसर, आदि डिग्री प्राप्त करनेवाले या फिर कॉलेजों स्कूलों, विश्व-विद्यालयों में //३// अध्ययन करनेवाले ही शिक्षित है ?

शिक्षा का अर्थ है ज्ञान वा जानकारी अर्थात / ज्ञानी व्यक्ति ही सही माने में शिक्षित कहलाता है । ज्ञानी बनने के लिए // साधारण ज्ञान तथा शिष्टाचार का होना अति आवश्यक है, जिससे कर्म, बोल विचार /// में सभ्यता की झलक दिखाई देती हो । चरित्रवान व्यक्ति ही वास्तव में शिक्षित हैं । //४//